061 सूरह सफ्फ. का मुख्तसर लफ्ज़ो मे खुलासा.

नोट.- ये PDF फाइल कोई भाषा या व्याकरण नही हे,
बल्कि दीन-ए-इस्लाम को समझने के लिये हे.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम.

• इस्लाम की जीत और अल्लाह के रास्ते में जान कुर्बान कर देना.

कायनात की हर चीझ अल्लाह की तस्बीह में लगी हुई है, ईमान वालो! तुम अपनी जुबान से कोई ऐसी बात ना निकालो, जिस पर तुम खुद अमल ना करते हो. यहां तबलीग से रोकना नहीं है, बल्कि किसी चीझ का दावा करके उस्के खिलाफ करने से रोका है, लिहाजा अल्लाह तआला इस बात से सख्त नाराज है. अल्लाह तआला उन लोगों को दोस्त बनाता है जो अल्लाह के रास्ते में सीसा पिलाई हुई दीवार बनकर अल्लाह के लिए अपनी जान कुर्बान कर देते है. याद रखो! जिन लोगों ने हज़रत मूसा (अल) को तकलीफ पहुंचाई, अल्लाह तआला ने उन्के दिल टेढे कर दिए और फिर वो कभी हिदायत ना पा सके. और हज़रत ईसा (अल) ने फर्माया था कि में तुम्हें एक ऐसे रसूल के आने की खुशखबरी सुनाने आया हूं जो मेरे बाद आएंगे, जिन्का मुबारक नाम अहमद होगा. मगर जब आप तशरीफ लाए तो उन लोगों ने आपको जादूगर कहना शुरू कर दिया और ये लोग अल्लाह के नूर यानी शरीअत को अपनी बातों से बुझा देना चाहते है. मगर अल्लाह अपने नूर को मुकम्मल करके रहेगा इस्लीए उसने अपने नबी को हिदायत और दीने हक के साथ भेझा है, ताकि ये दीने हक तमाम दीनों पर

गालिब आ जाए (सब से ऊंचा रहे) चाहे मुशरिक लोग उसे पसंद ना करें.

• अल्लाह के दीन को फैलाने के लिए अपनी जानों को कुर्बान करने वालों के लिए अल्लाह तआला के इनामात.

ईमान वालो! क्या में तुम्हें ऐसी तिजारत ना बताउं जो तुम्हें दर्दनाक अज़ाब से नजात दिलाए. ईमान लाओ अल्लाह पर और उस्के रसूल पर और राहे हक में अपनी जान और माल को कुर्बान करो, उस्की बदौलत तुम्हारे गुनाह माफ होंगे, और तुम सदाबहार जन्नत में दाखिल हो जाओ और उस्के नतीजे में तुम्हें दुनिया की कामयाबी, अल्लाह की मदद और जल्दी ही फतह नसीब होगी इस्लीए ईमान वालों अल्लाह के दीन के मददगार बन जाओ. जैसे हज़रत ईसा (अल) ने कहा था कौन है जो हक की दावत में मेरी मदद करें? तो कुछ लोग तो ईमान ले आए, और बाकी लोगों ने इन्कार कर दिया, उस वकत अल्लाह तआला ने दुश्मनों के खिलाफ ईमान वालों की मदद की और वो गालिब हो गए, जीत गए.

खुलासा मज़ामीने कुरान उर्दू किताब. | मौलाना मलिक अब्दुर्रउफ साहब.